प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

पंतनगर। 21 मई 2022। विश्वविद्यालय में चल रही दो–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में आयोजित किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व निदेशक, केन्द्रीय अर्थस्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान केन्द्र, बैरकपुर, डा. ए.पी. शर्मा थे। इस संगोष्ठी में आठ सत्रों में पचास से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किये गये।

संगोष्ठी के दौरान मत्स्य पालकों द्वारा बताई गयी समस्याओं के समाधान हेतु शोध कार्य करने तथा उनकी समस्याओं एवं उनका समाधान खोजने से ही असली मत्स्य उत्पादन बढ़ेगा जिससे मत्स्य पालकों का जीविकापार्जन सुनिश्चित होगा। समगतिशील मत्स्य उत्पादन की सुनिश्चितता हेतु मत्स्य व्यवसायी, वैज्ञानिक तथा नीति निर्धारकों को साथ मिलकर कार्य करना होगा। सभी के साथ मिलकर एक महासम्मेलन करने की आवश्यकता है, जिससे सबकी सहभागिता सुनिश्चित हो। इस सम्मेलन के आयोजन हेतु केन्द्रीय शिक्षण संस्थान, मुम्बई के निदेशक ने आश्वासन भी दिया। जलीय संसाधनों के सही ढंग से अव्ययन करने की विशेष आवश्यकता है, जिससे पता चलेगा की जलवायु परिवर्तन पर तथा जन्तुओं पर कितना प्रभाव पड़ रहा है तथा इसका निदान क्या है। मत्स्य पालकों द्वारा अपनाये जा रहे सभी नवोन्वेषी तकनीकों की समीक्षा होनी चाहिए तथा संशोधित तकनीकों का ही समावेश किया जाना चाहिए। मत्स्य पालकों को सत्यापित मत्स्य बीज तथा अन्य सामग्रियों का प्रयोग किया जाना चाहिए। जलजीव पालन में विविधिकरण की आवश्यकता है तभी समगतिशील रूप से मत्स्य उत्पादन होगा, मात्स्यिकी विकास हेतु विभिन्न बिन्दुओं पर विचार–विमर्श किया गया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में मंचासीन अतिथिगण।